

## श्याम सहारा | by Bulbul Agarwal

मुझे श्याम सहारा मिल गया अब और भला क्या मांगू  
मुझे साथी प्यारा मिल गया अब और भला क्या मांगू  
मेरी नैया थी मझधार कर दी श्याम ने इसको पार  
अब मैं इससे ज्यादा क्या कहूं  
झूबे को किनारा मिल गया अब और भला क्या मांगू  
मुझे श्याम सहारा मिल गया अब और भला क्या मांगू

जब वक्रत बुरा था मेरा अपनों ने मुंह था फेरा  
दर दर मैं भटका बाबा तब द्वार मिला था तेरा  
जीने का गुज़ारा मिल गया अब और भला क्या मांगू  
मुझे श्याम सहारा मिल गया अब और भला क्या मांगू

कभी सोचा ना सेवा का ऐसा फल भी पाऊंगा  
तेरे नाम के नारे बाबा सारी दुनिया में गाऊंगा  
दरबार तुम्हारा मिल गया अब और भला क्या मांगू  
मुझे श्याम सहारा मिल गया अब और भला क्या मांगू

इस श्वेत श्याम जीवन को रंगीन बनाया तुमने  
जीते जी इस धरती पे मुझे स्वर्ग दिखाया तुमने  
जन्नत का नज़ारा मिल गया अब और भला क्या मांगू  
मुझे श्याम सहारा मिल गया अब और भला क्या मांगू

मुझे अपनी छाँव लेकर सारे दुःख दर्द मिटाये  
तुझ जैसा पालक पाकर सोनू दुनिया में इतराये  
मुझे पालनहारा मिल गया अब और भला क्या मांगू  
मुझे श्याम सहारा मिल गया अब और भला क्या मांगू

<https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b6%e0%a5%8d%e0%a4%af%e0%a4%be%e0%a4%ae-%e0%a4%b8%e0%a4%b9%e0%a4%be%e0%a4%b0%e0%a4%be-by-bulbul-agarwal/>